राजा रावण अपनी मूछ थोड़ी नीची कर के रे

राम शरण में ले चालूं मेरी पूछ पकड़ ले रे,
राजा रावण अपनी मूछ थोड़ी नीची कर के रे ।

राजा हो कर चोरी सीखी, इज़्ज़त करदी ख़ाक,
भूल गयो के तेरी बहन की लक्षमण काटी नाक ।
थोड़ा दिन की बात है रावण खूब अकड़ ले रे
राजा रावण अपनी मूछ थोड़ी नीची कर के रे ॥

सीता माता ने हर लायो करके धोखा बाजी,
बाली से तू लुकतो डोले किथे गयी रंग बाजी ।
बच न सकेगा रावण जितना पाँव पटक ले रे,
राजा रावण अपनी मूछ थोड़ी नीची कर के रे ॥

बनवारी कछु साधू मारेआ होयो बड़ो बलवान,
रिश्तेदारां से मिलने बस कुछ दिन का महमान ।
रावण क्यों बेमौत मरे मेरी बात समझ ले रे,
राजा रावण अपनी मूछ थोड़ी नीची कर के रे ॥

स्वर : जया किशोरी जी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/974/title/raam-sharan-me-le-chalun-meri-pooch-pakad-le-re-raja-ravan-apni-mooch-thodi-nichi-kar-le-re-rajasthani-bhajan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |